"निदेशक"

आईआईटियंस पर हैं देश की निगाहें

- पढ़ने से कहीं अधिक है आईआईटी के छात्रों की जिम्मेदारी
- सीखने की अपार संभावनाओं के साथ क्रिएटिविटी के भी खुले हैं दरवाजे

इंद्रानिल मन्ना।

कानपुर, जागरण संवाददाता : विश्वस्तरीय टेक्नोक्रेट तैयार करने वाले आईआईटी में स्नातकोत्तर के छात्रों ने सोमवार को पहला सबक पढ़ा। निदेशक प्रो. इंद्रानिल मन्ना ने सबक सिखाते हुए छात्रों के अंदर की क्षमताओं को उनके सामने रख दिया। एमटेक, एमबीए, एमएससी व मास्टर्स आफ डिजाइन के छात्रों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान प्रो. मन्ना ने कहा कि आईआईटियंस पर देश की निगाहें टिकी हुई हैं। वे भी उन्हीं की तरह इसी संस्थान के छात्र रहे हैं। अपने अनुभव बांटते हुए छात्रों को संस्थान में मिलने वाली उन सभी सुविधाओं के बारे में बताया जो उन्हें पढ़ाई के दौरान मिलेंगी।

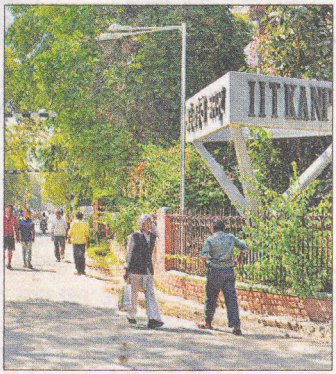

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में देश विदेश से आए छात्रों को संस्थान, पढ़ाई व रिसर्च के बारे में जानकारी देते हुए प्रो. मन्ना ने कहा कि आप यहां पर अपने मनपसंद क्षेत्र से संबंधित सभी चीजों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। सीखने व सिखाने की यहां पर कोई सीमा नहीं है। आपसे यही उम्मीद है कि जब आप यहां से पास होकर जाएं तो आपके पास ऐसा ज्ञान हो जिससे दुनिया भर में एक अलग पहचान बनाकर देश का नाम रोशन कर सकें।

एक अगस्त के बाद रजिस्ट्रेशन बंद

काउंसलिंग प्रभारी प्रो. एमके भुरई ने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों का रजिस्ट्रेशन एक अगस्त तक होगा। इसके बाद किसी भी छात्र को मौका नहीं दिया जाएगा। एमटेक, एमबीए, एमएससी व मास्टर्स आफ डिजाइन के छात्रों का रजिस्ट्रेशन 21 जुलाई से शुरू हो जाएगा। जबकि इसके बाद बीटेक के छात्रों का रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। इस बार पीएचडी में दो व एमटेक में दो विद्यार्थी यूथोपिया से पढ़ने के लिए आए हैं जबकि बांग्लादेश के एक व यूएई से भी एक विद्यार्थी ने आईआईटी में प्रवेश लिया है।

दैनिक जागरण 19-07-2016

आईआईटी के 91 छात्रों की बदली ब्रांच

कानपुर, जागरण संवाददाता : आईआईटी में बीटेक द्वितीय वर्ष के 91 छात्रों की ब्रांच सोमवार को बदल दी गई। बीटेक द्वितीय सेमेस्टर के 165 छात्रों ने ब्रांच बदलने के लिए आवेदन दिया था। इनमें से 74 छात्रों के आवेदन निरस्त कर दिए गए। परीक्षा परिणाम व सीट की उपलब्धता के आधार पर छात्रों की ब्रांच बदली गई है। सोमवार को सीनेट की बैठक में इन छात्रों के आवेदन पर विचार करने के बाद उन्हें ब्रांच बदलने की अनुमति दे दी गई।

जिन छात्रों को ब्रांच बदलने की अनुमति मिली है उनमें से कई छात्र कंप्यूटर साइंस ब्रांच के इच्छुक थे। उनमें 15 से अधिक छात्रों को उनकी मनपसंद कंप्यूटर साइंस ब्रांच दे दी गई है। अब सभी छात्र द्वितीय वर्ष यानि बीटेक तृतीय सेमेस्टर की पढ़ाई अपनी मनपसंद ब्रांच में कर सकेंगे।

नए छात्रों को भी दूसरे सेमेस्टर में ब्रांच बदलने का मौका

सीनेट की बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गई कि सत्र 2016-17 में दाखिला लेने वाले छात्रों को भी साल भर बाद उनकी मनपसंद ब्रांच में प्रवेश दिया जा सकता है। बीटेक द्वितीय सेमेस्टर तक का एकेडमिक रिकार्ड व सीट उपलब्धता के आधार पर उन्हें यह सुविधा दी जाएगी। लेकिन इस पर अंतिम निर्णय बाद में लिया जाएगा। अभी संस्थान का पूरा ध्यान नए छात्रों के रजिस्ट्रेशन करवाने व पढ़ाई शुरू करवाने पर है।

दैनिक जागरण 19-07-2016

शिक्षकों ने चंदा कर छात्र को पहुंचाया आईआईटी

इनसे सीखें

कानपुर | रामजी द्विवेदी

दिव्यांग शिवम को आईआईटी तिरुपति में प्रवेश दिलाकर वीएसएसडी कॉलेज के शिक्षकों ने मिसाल कायम की है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे शिवम के पिता अपने बेटे की काउंसिलिंग फीस का इंतजाम करने में सक्षम नहीं थे। शिवम की प्रतिभा और लगन देखकर वीएसएसडी कॉलेज के शिक्षकों ने उसकी न सिर्फ काउंसिलिंग फीस जमा कराई बल्कि पढ़ाई कराने का जिम्मा भी उठाया।

शिवम शुक्ला ने जेईई एडवांस में 158 रैंक हालिस करने के बाद पहली काउंसिलिंग में ही आईआईटी तिरुपति में मैकेनिकल ट्रेड मिला है। पिता अरविंद शुक्ला घर पर एक औषधालय चलाते हैं। बेटे के चयन होने के परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई लेकिन जब साठ हजार रुपए खर्च की बात सुनी तो उनके हाथ पैर ढीले हो गए। परिवार में पत्नी सुनैना,

शिक्षा दान

- वीएसएसडी कॉलेज के शिक्षकों ने इंसानियत का दिया संदेश
- परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से फीस का संकट

पुत्री शिवांगी है। किसी तरह परिवार की अरविंद शुक्ला ने अपनी समस्या अपने साथियों से साझा की। इस पर वीएसएसडी कॉलेज के कॉमर्स विभाग के डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ राजीव शुक्ला, डॉ विनीता शुक्ला, डॉ. संजीव शुक्ला और डॉ. रश्मि गुप्ता ने शिवम की पढ़ाई का जिम्मा लिया। कॉलेज के सभी शिक्षकों से एक-एक हजार रुपए एकत्रित किए। धनराशि कम पड़ने पर शिक्षकों ने दूसरे विभाग में जाकर उसकी मदद के लिए हांथ फैलाए।

हिन्दुस्तान 19-07-2016

आईआईटी में 11 ने छोड़ी सीटें

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

यूपीकैटेट मास्टर्स की अंतिम काउंसिलिंग में मार्कशीट वेरीफिकेशन कराते छात्र।

आईआईटी में चल रही पांचवीं काउंसिलिंग सोमवार को खत्म हो गई है। आईआईटी कानपुर में 11 छात्र-छात्राओं ने भविष्य को देखते हुए 11 सीट छोड़ी है। काउंसिलिंग फीस वापस होने के साथ ही अब उनको अगले वर्ष जेईई एडवांस देने का मौका मिलेगा। बुधवार को छठवीं और आखिरी काउंसिलिंग होगी। पांचवीं काउंसिलिंग में आईआईटी कानपुर के जेईई कार्यालय में छात्र-छात्राओं की भीड़ रही। 11 छात्र नए आए। जबकि नौ छात्र-छात्राओं ने ब्रांच बदली है। जेईई के वाइस चेयरमैन प्रो. एके मित्रा ने बताया कि देश भर की आईआईटी के लिए आईआईटी कानपुर आकर 11 छात्र-छात्राओं ने सीटें छोड़ी हैं। इससे सीट खाली हुई होंगी। ऐसे में निचले छात्र-छात्राओं को मौका मिल जाएगा। सीट छोड़ने वाले छात्र अगले वर्ष जेईई एडवांस की परीक्षा दे सकेंगे।

यूपी कैटेट काउंसिलिंग में 26 ने लिया प्रवेश : यूपी कैटेट मास्टर्स की काउंसिलिंग सोमवार को खत्म हो गई है। सीएसए विवि. स्थित परीक्षा हाल में रजिस्ट्रेशन कराए 60 छात्र-छात्राओं में से सिर्फ 26 ने ही प्रवेश लिया है। इससे फैजाबाद में 17, मेरठ में 07 और सीएसए विवि. में 02 प्रवेश हुए हैं। अब इन छात्र-छात्राओं को 20 और 21 को सीएसए विवि. आकर प्रवेश लेना होगा। अब 25 और 26 को यूजी और पीजी की स्पेशल काउंसिलिंग होगी।

7 हजार ने नहीं जमा की फीस : पॉलीटेक्निक प्रवेश के लिए चल रही दूसरी काउंसिलिंग की रजिस्ट्रेशन फीस सोमवार देर रात तक छात्र-छात्राएं जमा करते रहे। 19 हजार आवंटित सीटों में से देर रात तक सिर्फ 12 हजार छात्र-छात्राओं ने ही फीस जमा की थी। अब फीस जमा न करने वाले सात हजार छात्र-छात्राओं को काउंसिलिंग से बाहर होना होगा। उनको सिर्फ स्पेशल काउंसिलिंग में ही मौका मिलेगा। 20 जुलाई से तीसरी काउंसिलिंग शुरू होगी।

आज आएगा यूपीएईई तीसरी काउंसिलिंग रिजल्ट : एकेटीयू से सबद्ध 611 तकनीकी संस्थानों में प्रवेश के लिए चल रही यूपीएसईई की तीसरी काउंसिलिंग का रिजल्ट मंगलवार को जारी होगा। अभी तक हो चुकी दो काउंसिलिंग में सिर्फ आठ हजार छात्र-छात्राओं ने सीटें लॉक की हैं। जबकि पांच हजार छात्र-छात्राओं ने सीट छोड़ी है।

हिन्दुस्तान 19-07-2016

मस्ती में रहे आईआईटियन्स

कानपुर | वरिष्ठ संवाद

...दिल ले गई कुड़ी पंजाब की गीत जब दिल्ली के सतनाम ने गाकर सुनाया तो आईआईटी का ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था मास्टर्स के नए छात्र-छात्राओं के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के फन कार्निवल का। इसमें देर रात नए छात्र-छात्राओं ने धमाल मचाकर आईआईटी के रंग में रंगे। बडी की टीम ने उनको रात तक थिरकने पर मजबूर किया। आईआईटी मास्टर्स स्बडी की टीम रूपेश, संकल्प तिवारी, प्रहर्ष पटेल, अखिल, मयंक, निशांत, सिद्धार्थ, प्राची, पवन और वंश ने नए छात्र-छात्राओं को देर रात तक के आईआईटी रंग में रंगा। आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, बेंगलुरू, और मुंबई समेत पूरे देश से आईआईटी में प्रवेश लेकर आए छात्र-छात्राओं ने देर रात तक अपनी संस्कृति में रंगकर धमाल मचाया। मंच पर एक साथ कई सभ्यताओं को देखकर सभी दंग रह गए। देर रात तक मस्ती के साथ ठहाक़ों का दौर भी चला। आईआईटियन्स ने मस्ती के बीच अपने नए-नए दोस्त भी बनाए।

हिन्दुस्तान 19-07-2016

प्रों. इन्द्रनील मन्ना ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र, डीन ने बताया आईआईटी का इतिहास, मोटिवेशनल फिल्म दिखाकर छात्रों को किया प्रेरित

सपनों को हकीकत में उतारने के लिए खुद पर विश्वास करो

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

प्रो. इंद्रनील मन्ना।

सोमवार को आईआईटी सभागार में ओरिएंटेशन लेक्चर में भाग लेते छात्र।

खुद पर विश्वास करो सफलता खुद ब खुद कदम चूमेगी। जब तक संतुष्ट न हो जाओ रेस्ट मत करो। आने वाला भविष्य आईआईटी और यहां के रिसर्च स्कॉलर का है। अगर आपको आगे रहना है तो भविष्य में अलग करना होगा। भविष्य में पॉजीटिव रहो। अपने आप से न्याय करो। हम उतकृष्ट पर विश्वास करते हैं। यह बातें आईआईटी मास्टर्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुभारंभ के मौके पर छात्र संवाद के दौरान आईआईटी निदेशक प्रो. इंद्रनील मन्ना ने कही।

मुख्य ऑडिटोरिम में मुख्य अतिथि निदेशक प्रो. मन्ना ने कहा कि अपने सपनों को हकीकत में उतारो। पूरे दुनिया में भारत यंग देश बनने जा रहा है। आप सभी अपना योगदान दे सकते हैं। सरकार की इच्छा है कि न्यू इंडिया अपने पैरों पर खड़ा हो। समय आ गया है कि आपको लीडर बनकर आगे आना होगा इसके लिए आईआईटी कानपुर काफी मौके देता है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो.एआर हरीश ने कहा कि आईआईटी कानपुर में आकर आलराउंड बनना है। जिम्मेदारियों के साथ जिदंगी की मस्ती करो। डीन रिर्सोस एंड एल्युमिनाई प्रो. बीवी फणि ने कहा कि अपने आपको स्थापित करने का आईआईटी कानपुर से अच्छा मौका नहीं मिलेगा। इसीलिए रिसर्च और पढ़ाई के साथ ही कुछ नया करके खुद को स्थापित करने की जरूरत है। काउंसिलिंग हेड प्रो. मानस घोराई ने कहा कि नए छात्र-छात्राओं की मानसिक स्थिति को देखते हुए उनको किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होने दी गई है। संचालन बडी टीम की प्राची ने किया। इससे पहले सुबह नए छात्र-छात्राओं का आईकार्ड बनाया गया।

मास्टर्स ग्रुप में अफीफा आकर्षण का केंद्रः आईआईटी में प्रवेश पाए नए मास्टर्स ग्रुप में सात विदेशी छात्र है। इसमे सर्वाधिक चार छात्र एरोस्पेस में इथियोपिया, एक फ्रांस, एक बांग्लादेश और एक यूएई से है। सर्वाधिक आकर्षण का केंद्र आबूधाबी से आई अफीफा है। उसकी बोलचाल, रहन-सहन के साथ ही उसकी मेल-मिलाप की कला सभी छात्र-छात्राओं को आकर्षित कर रही है इसीलिए वह मास्टर्स ग्रुप की जान बच गई है।

दिलाई शपथ, दिखाई फिल्म

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में दिन के वक्त आए नए मास्टर्स छात्र-छात्राओं को प्रेरित करने के लिए मोटिवेशनल फिल्म दिखाई गई। इसमे छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गया। वहीं नौ बिन्दुओं पर पूर्व राष्ट्रपति की शपथ भी छात्र-छात्राओं को खड़ा करके दिलाई गई। संचालन कर रही बडी प्राची ने शपथ पढ़ी और उसे नीचे बैठे छात्र-छात्राओं ने खड़े होकर दोहराया। बडी की टीम ने हाथ से बने गिलासनुमा गुलदस्ते और कार्ड को टोकन ऑफ लव के रूप में निदेशक और डीन को दिया।

आईआईटी कानपुर को जानकर गर्व महसूस किया

मास्टर्स के लिए बनाई गई 92 बडी की टीम ने देर शाम नए छात्र-छात्राओं को आईआईटी कानपुर के बारे में बताकर गर्व महसूस कराया। उन्होंने आईआईटी कानपुर में हुए प्लेसमेंट से लेकर विशेषज्ञ और दिग्गजों के बारे में चर्चा की। इससे उनको भविष्य बनाने में मदद मिलेगे। बडी ने एक-एक छात्र-छात्राओं के सवालों का जवाब दिया। आईआईटी कानपुर को जानकर नए-नए छात्र-छात्राओं ने कई सवाल भी पूछे।

आईटीआई में प्रवेश की तिथि बढ़ाई गई

कानपुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) पहली मेरिट में प्रवेश की तिथि 23 जुलाई तक कर दिया है। पहले 18 जुलाई तक प्रवेश लिए जाने के निर्देश थे। सोमवार तक सभी ट्रेड में 732 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न ट्रेड में प्रवेश लिया है। 85 फीसदी से कम अंक वाले छात्र दूसरी मेरिट का इंतजार कर रहे हैं। पहली मेरिट के सभी छात्रों ने फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन जैसी प्रमुख ट्रेड पर रुझान दिख रहा है। 23 जुलाई के बाद दूसरी मेरिट जारी की जाएगी।

हिन्दुस्तान 19-07-2016

आईआईटी ने पहली बार 1100 स्टूडेंटों को एडमिशन का दिया ऑफर

पीजी एजुकेशन, रिसर्च को बढ़ावा

अमर उजाला ब्यूरो

800 स्टूडेंट आए, ओरिएंटेशन प्रोग्राम भी हुआ

प्रो. इन्द्रनील मन्ना।

कानपुर। पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) एजुकेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईआईटी कानपुर ने सीटें बढ़ाकर 1100 कर दी हैं। ऐसा पहली बार हुआ है। इससे पहले (वर्ष 2015) 800 स्टूडेंटों को बुलाया गया था। निदेशक प्रो. इंद्रनील मन्ना का कहना है कि आईआईटी में सिर्फ अंडर ग्रेजुएट (यूजी) की पढ़ाई की धारणा अब बदली जा रही है। इन कोर्सों के साथ ही पीजी एजुकेशन और रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है। कोशिश है नई तकनीक विकसित की जाए। इनोवेशन और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाए। इस बार चार विदेशी स्टूडेंटों ने एडमिशन लिए हैं।

आईआईटी के एमटेक, एमएससी, एमडैस, एमबीए, वीएलएफ और पीएचडी में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंटों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम सोमवार को ऑडिटोरियम में हुआ। निदेशक ने सभी स्टूडेंटों का स्वागत किया। साथ ही कहा कि देश में इनोवेशन और रिसर्च का माहौल बना है। इसका फायदा स्टूडेंटों को उठाना चाहिए। अच्छे स्टूडेंट या फिर मैनपावर की जरूरत हर देश को है। आईआईटी में आने वाले स्टूडेंटों से देश का भविष्य जुड़ा है। निदेशक ने स्टूडेंटों के माता-पिता और उनके अभिभावकों से भी बात की। निदेशक ने कहा कि स्टूडेंटों पर बहुत अच्छा करने या फिर अच्छा मार्क्स लाने का दबाव कतई न डालें। सभी मेधावी हैं। अपनी जिम्मेदारी भी समझते हैं। दबाव डालने पर तनाव हो सकता है। डीन स्टूडेंट ऑफ अफेयर प्रो. एआर हरीश और प्रो. बीबी फणी ने स्टूडेंटों को आईआईटी के नियम-कानून बताए। कहा कि कैंपस, लैब और लाइब्रेरी आधुनिक सुविधा-संसाधनों से लैस है। इसका लाभ स्टूडेंट उठा सकते हैं।

आईआईटी में आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में पहुंचे न्यू पीजी स्टूडेंट।

लेक्चर हॉल कांप्लेक्स, हॉस्टल भी

यूजी और पीजी स्टूडेंटों की संख्या बढ़ने के बाद आईआईटी में दो नए लेक्चर हॉल कांप्लेक्स बनवाए जा रहे हैं। 400 लड़कियों के रहने के लिए गर्ल्स हॉस्टल भी बनवाया जा रहा है। कुछ ब्लॉक इसी सेमेस्टर में मिल जाएंगे। 600-600 स्टूडेंटों के रहने के लिए दो ब्वायज हॉस्टल भी बनवाए जा रहे हैं। डीन स्टूडेंट ऑफ अफेयर्स प्रो. एआर हरीश ने बताया कि स्टूडेंटों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

आएंगे बीटेक स्टूडेंट

आईआईटी में एडमिशन लेने वाले बीटेक और बैचलर ऑफ साइंस (बीएस) के 827 स्टूडेंट 20 जुलाई को रिपोर्ट करेंगे। 21 को ओरिएंटेशन प्रोग्राम होगा। 25 को आईआईटी के पूर्व स्टूडेंट लेक्चर देंगे। 27 जुलाई से कक्षाएं चलेंगी।

अमर उजाला 19-07-2016

आईआईटी के छात्रों को शोध के गुर बताये निदेशक ने

इन्द्रनीलमन्ना ने कहा-संस्थान की प्रयोगशाला का उपयोग करें

ओरिएटेंशन के कार्यक्रम में निदेशक का भाषण सुनते छात्र। छाया:आज

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 18 जुलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर कैंपस के आडीटोरियम में आयोजित आज शाम को पीजी छात्रों के लिए ओरिएटेंशन प्रोग्राम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. इन्द्रनील मन्ना ने नये छात्र-छात्राओं को एकेडमिक स्तर के साथ ही ग्रेडिंग सिस्टम पर जानकारियां दी और पीजी छात्रों का स्वागत करते हुए उन्हें मौके का फायदा उठाते हुए रिसर्च करने पर जोर दिया है। इंस्टीट्यूशट में पर्याप्त सुविधाएं, बेहतर लैब, रिसर्च के साथ ही फैकल्टी के प्रोफेसरों के बारे में बताया गया।

ओरिएटेंशन प्रोग्राम में संस्थान के प्रो. ए.आर. हरीश ने कहाकि वर्ल्ड स्तर का इंस्टीट्यूट है जहां पर सभी छात्रों को प्रवेश मिला है। अब सभी छात्र-छात्राएं पढाई, रिसर्च पर विशेष ध्यान देना होगा। बेहतर लैब, टेक्नोलाजी के बूते रिसर्च को बढाये ताकि टेक्नोलाजी से देश व समाज को लाभ हो सके। प्रो. बी.वी. फनी ने कहाकि एकेडमिक स्तर के साथ यहां पर नेशनल और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट पर भी कार्य होता है जिसमें पीजी स्तर की पढाई के साथ ही अनुभव प्राप्त होता है। एमटेक, एमबीए और मास्टर आफ कोर्सेज में ग्रेडिंग सिस्टम के साथ ही लैब व फैकल्टी से पूरी मदद मिलेगी। डीन ने क्लास रूप, लैब, रिसर्च पर प्रकाश डाला। साथ ही हास्टल के साथ इंटरनेट व अन्य सुविधाओं की जानकारियां दी। इस दौरान संस्थान के डायरेक्टर प्रो.इन्द्रनील मन्ना, प्रो. एम.के. घोरल के अलावा अन्य फैकल्टी के मैम्बर्स भी मौजूद रहे।

निदेशक प्रो. इन्द्रनील मन्ना

ओरिएटेंशन में शामिल हुए एमटेक एमएससी एमबीए छात्र

आज

19-07-2016

Newcomers told to make dreams come true

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: About 800 students took part in the orientation programme at IIT-Kanpur on Monday evening. For the first time this year, the institute is taking 1,100 PG admis-

IIT-K ORIENTATION

sion. The remaining 300 students are expected to report till July 21. The registration process for admission will then commence.

These new students were welcomed by IIT-K director Indranil Manna. He urged the students to contribute in nation building by way of pursuing research. "The scenario of innovation and research in the country has improved and there is a need of good researchers and manpower," he said.

TOI

IGNITED MINDS

Manna said that they (new students) should use this opportunity of studying in one of the best IITs in the country and contribute in the progress of the nation through research. He told them that they should believe in themselves and their capabilities and make their dreams a reality. Head of counselling service MK Ghorai told the students about the counselling service that was available in the institute. He told them about the student life on the campus and that in case of any problem they come across, the students should share it with their peers and the members of the counselling service. "Seek help without hesistation," he said.

Dean of student affairs AR Harish also addressed the students and their parents. Addressing the parents, Harish said that they should not pressurise their wards to score high marks as they are the finest brains and had capabilities based on which they will perform well of their own.He spoke about the facilities for the development of the students and urged them to take part in extra-curricular activities and involve in games and sports.

Both the boy and the girl students had been allotted accomodation on the campus. Gradually the students will start settling down.

For provide accomodation to all, two new boys hostel and one girls hostel is being constructed and would be made available to the students soon.

The Times of India 19-07-2016